मेरा सखा | By Dr. Satish Chandra

दिल से दो आवाज़ ये दौड़ा आएगा
बिगड़े बनेंगे काज ये श्याम बनाएगा
रखेगा सर पे हाथ तेरा बन जायेगा
दिल से दो आवाज़ .....

हारे का है साथी बाबा करुणा का भण्डार है
भक्तों के जीवन का अब तो एक ये ही आधार है
उसका मीत बने जो प्रीत बढ़ाएगा
दिल से दो आवाज़ .....

लाखों मिला हो धोखा जग में इनकी शरण में आये जो
सारो उलझन सुलझा देता मनचाहा सुख पाए वो
मगर वही पायेगा जो श्याम रिझायेगा
दिल से दो आवाज़ .....'

श्याम सखा है श्याम ही माझी जिसको ये विश्वास है
चोखानी ऐसे प्रेमी के बाबा हर पल पास है
बन जा तू भी प्रेमी ये प्रेम निहायेगा
दिल से दो आवाज़ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%96%e0%a4%be-by-dr-satish-chandra/